भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2293
उत्तर देने की तारीख: 02.08.2021

विद्यार्थियों का निजी स्कूलों से सरकारी स्कूलों में प्रवेश

†**2293. श्री बृजेन्द्र सिंह:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) क्या महामारी से उत्पन्न वित्तीय संकट और निजी स्कूल बंद होने के कारण छात्रों ने अपना प्रवेश निजी स्कूलों से सरकारी स्कूलों में करा लिया है;
(ख) यदि हां, तो 2019 के बाद से क्रमश: निजी और सरकारी स्कूलों में नामांकित छात्रों का प्रतिशत कितना है;
(ग) क्या इससे सरकारी स्कूलों में छात्र-शिक्षक अनुपात में और वृद्धि हुई है; और
(घ) यदि हां, तो सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं कि स्कूलों में बढ़ी हुई संख्या से शिक्षा के परिणाम पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़े?

उत्तर
शिक्षा मंत्री
(श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क) और (ख): स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग (डीओएसईएल), शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली स्कूल शिक्षा के संकेतकों पर डेटा रिकॉर्ड करने के लिए एकीकृत जिला शिक्षा सूचना प्रणाली प्लस (यू-डाइस+) प्रणाली तैयार की है। यू-डाइस + परिणाम 2019-20 तक उपलब्ध हैं। यू-डाइस + 2019-20 के अनुसार, सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त, निजी गैर सहायता प्राप्त (मान्यता प्राप्त) और अन्य स्कूलों में प्री-प्राइमरी से उच्च माध्यमिक में नामांकित छात्रों का प्रतिशत क्रमशः 49.5%, 10.4%, 37.1% और 3.0% था। यूडाईज + 2018-19 के अनुसार, सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त, निजी गैर सहायता प्राप्त (मान्यता प्राप्त) और अन्य विद्यालयों में प्री-प्राइमरी से उच्च माध्यमिक तक नामांकित छात्रों का प्रतिशत क्रमशः 50.4%, 10.7%, 35.4% और 3.5% था।

(ग) और (घ): यूडाइस-+2019-20 के अनुसार, प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक के लिए 2019-20 में सरकारी स्कूलों में छात्र शिक्षक अनुपात (पीटीआर) क्रमशः 25.5, 20.4, 18.4 और 23.0 था। यूडाइस- + 2018-19 के अनुसार, प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक के लिए 2018-19 में सरकारी स्कूलों में पीटीआर क्रमशः 26.3, 21.1, 20.8, 25.0 था। इस प्रकार, 2018-19 और 2019-20 के बीच, स्कूल शिक्षा के सभी स्तरों में सरकारी स्कूलों में छात्र शिक्षक अनुपात में कमी आई है।

अधिगम परिणामों में सुधार एक सतत प्रक्रिया है जिसमें शिक्षार्थी, शिक्षक, शिक्षण अधिगम प्रक्रिया, अधिगम वातावरण, पाठ्यक्रम, शिक्षाशास्त्र, अधिगम परिणाम, मूल्यांकन आदि शामिल हैं। समग्र शिक्षा सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को विभिन्न पहल जैसे शिक्षकों और स्कूल प्रमुखों का सेवाकालीन प्रशिक्षण, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि सर्वेक्षण का संचालन, अनुकूल अधिगम वातावरण प्रदान करने के लिए प्रत्येक स्कूल को समग्र स्कूल अनुदान, पुस्तकालय, खेल और शारीरिक गतिविधियों के लिए अनुदान, राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के लिए सहायता, आईसीटी और डिजिटल पहल, स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम, शैक्षणिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए उपचारात्मक शिक्षण, पढ़े भारत बढ़े भारत के लिए सहायता आदि के लिए सहायता प्रदान करके शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर केंद्रित है।

*****